दृष्टि:

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अत्याधुनिक रूप देकर भारत के चिकित्सा महाविद्यालय के एक उपयुक्त विभाग के स्वरुप में बनाना ।

]

मिशन:

१. सभी एम बी बी एस छात्रों को गुणवत्त और प्रासंगिक चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना ।
२. शरीर क्रिया विज्ञान के विषय में स्नात्कोत्तर विद्यार्थियों को गुणवत्त शिक्षण, एवम् अनुसंधान संबन्धित गतिविधियों में प्रोत्साहन देना।

उद्देश्य:

१. स्नातक एवम् स्नात्कोत्तर शिक्षण में उच्चतम मानकों को बनाए रखना।
२. दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागीय और अंतर्विभागीय स्नात्कोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी करते हुए , शोधप्रबंध कार्य के लिए विषयों एवम् नए अनुसंधान के तरीकों का विकास करना।
३. गुणवत्त अनुसंधान को बढ़ावा देना एवम् राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करना ।
४. विभाग के सभी कर्मचारियों को निरंतर चिकित्सीय शिक्षा (सी॰एम॰ई॰), सेमिनार, कार्यशालाओं, पाठ्यक्रमों, संगोष्ठी राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में ज्ञान के उन्नयन हेतु भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना ।
५. आई॰सी॰एम॰आर॰ (ICMR) / सी॰एस॰आई॰आर॰ (CSIR) के तहत अनुसंधान गतिविधियों के लिए स्नातक छात्रों को प्रोत्साहित करना।

कार्य:

१. अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए स्नातक एवम् स्नात्कोत्तर शिक्षण - प्रशिक्षण में उच्चतम मानकों को बनाए रखना एवम् बढ़ावा देना ।
२. दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागीय और अंतर्विभागीय स्नात्कोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में शोध प्रबंध कार्य के लिए नए अनुसंधान के तरीकों का विकास।
३. राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्रों का प्रकाशन।
४. विभाग के सभी कर्मचारियों द्वारा निरंतर चिकित्सीय शिक्षा (सी॰एम॰ई॰), सेमिनार, कार्यशालाओं, संगोष्ठी , राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया जाना ।
५. छात्रों की उपस्थिति और प्राप्तांक सम्बंधित आँकड़ों के सभी अभिलेखों का उचित रख-रखाव और प्रयोगशाला के सभी आँकड़ों एवं अभिलेख का रख-रखाव।

६. विभिन्न यंत्रों, भंडारों के रखरखाव के विभागीय अभिलेखों की देखभाल ।

विभिन्न समितियों के कार्यों (यथा शिक्षण समिति ,विभागों के उपकरणों की खरीददारी के लिए नियुक्त समितियोँ सम्बंधित कार्यों) के संपादन द्वारा संस्थागत प्रशासनिक कार्यों में भाग लेकर संस्था के प्रशासन की मदद।